



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २८३] नई विल्ली, सोमवार, जुलाई ४, १९७७/आषाढ़ १३, १८९९
 No. 283] NEW DELHI, MONDAY, JULY 4, 1977/ASADHA 13, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जारी है जिससे ये वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
 as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 4th July 1977

S.O. 518(E).—Whereas the Central Government is of opinion in respect of the tea unit known as Dooria Tea Estate situated in the district of Sibsagar owned by Shri Ramachandra Bhagwandass, P.O. Badlipur, Assam, that—

- (a) the average yield of the said tea unit during the years 1971, 1972 and 1975 out of five years immediately preceding the year 1976, has been lower than the district average yield by twenty-five per cent;
- (b) the persons owning the said tea unit have habitually made default in the payment of Provident Fund dues of workers and other employees and other dues which they are under obligation to pay under certain laws for the time being in force, and
- (c) the said tea unit is being managed in a manner highly detrimental to the tea industry and to public interest

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 16B of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby appoints for the purpose of making a full and complete investigation into the affairs of Dooria Tea Estate, a body of persons consisting of—

- (1) Shri S. S. Nandkeolyar, Director of Development, Tea Board, Calcutta
- (2) Shri P. K. Das Gupta, Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Tea Board, Calcutta
- (3) Shri B. K. Bhuyan, Agricultural Production Commissioner, Government of Assam Dispur Gauhati-6.

(4) Shri A. K. Roychowdhury, Deputy Adviser (Finance), Bureau of Public Enterprises, Mayur Bhavan, New Delhi

2. The above body shall submit its report to the Central Government within a period of ninety days from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No B 12012(17)/76-Plant(A)]
P. K. KAUL, Addl Secy.

बाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1977

का० आ० 5 8 (अ) —केन्द्रीय सरकार की, श्री रामचन्द्र भगवानदास, बाकलीपार, आसाम के स्वामित्वाधीन, खिंवागर जिले में स्थित दूरिया टी एस्टेट नामक चाय एकक की बाबत यह राय है कि —

(क) वर्ष 1976 से ठीक पूर्ववर्ती पात्र वर्षों में से वर्ष 1971, 1972 और 1975 के दौरान इस चाय एकक की औसत उपज जिले की औसत उपज से ५०८८८ प्रतिशत कम रही है,

(ख) चाय एकक के स्वामियों ने कर्मकारों तथा अन्य कर्मचारियों के भविष्य निधि देयों तथा ऐसे अन्य देयों का, जिसका सदाय करने के लिए वे तत्समय प्रवृत्त करितय विधियों के अधीन बाध्य हैं, सदाय करने में बारम्बार व्यतिक्रम किया है, और

(ग) चाय एकक का प्रबन्ध गेमे ढग से किया जा रहा है जो जाय उद्योग तथा लोक हित के लिए बहुत अहितकर है,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 16ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए, दूरिया टी एस्टेट के मामलों का पूर्ण और व्यापक अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ अधिकारी का एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित होगे —

(1) श्री एस० एम० नन्दकुलियार, निदेशक, चाय विकास, चाय बोर्ड, कलकत्ता

(2) श्री पी० के० वासगुप्त, वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी चाय बोर्ड, कलकत्ता

(3) श्री बी० के० भुयां, कृषि उत्पाद आयुक्त, आसाम सरकार, दीसपुर, गोहाटी-6

(4) श्री ए० के० रायचौधरी, उप सलाहकार (वित्त) लोक उद्यम ब्यूरो, मयूर भवन, नई दिल्ली ।

2 उक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा।

[सं० बी० 12012(17)/76-प्लान्ट(ए)]
पी० के० कौल, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977